i`lkj Hkkjrh

Hkkjrh; i`lkj.k fuxe

vkdk'kok.kh dsUæ f'keyk

30-09-2025@izknsf'kd lekpkj@!!-00 "#s

e%;e'h

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अपने निजी विदेश दौरे से लौटने के बाद बीती शाम दिल्ली से शिमला पहुंचे। मौसम खराब होने के चलते अनाडेल हैलीपैड में उनका हैलीकॉप्टर नहीं उतर पाया जिसके चलते जुब्बडहटट्ी हवाई अडडे् पर उतारा गया जहां उपायुक्त अनुपम कश्यप ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उपायुक्त ने मॉनसून के दौरान जिले में चल रहे राहत व विकास कार्यों के बारे में मुख्यमंत्री को संक्षिप्त जानकारी दी।

d)k 'k+d

पर्यटन नगरी राजधानी शिमला में बाहर से आने वाले सभी बड़े यात्री वाहनों को कूड़ा शुल्क चुकाना होगा। एचआरटीसी और निजी बसों के अलावा बाहर से आने वाली बसों से भी ये शुल्क लिया जाएगा। शिमला नगर निगम ने कूड़ा शुल्क की दरें तय करते हुए इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसे अंतिम स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा जाएगा। नगर निगम के महापौर सुरेन्द्र चौहान ने बताया कि इससे एक ओर जहां शिमला में फैल रही गन्दगी दूर होगी वहीं नगर–निगम शिमला की आमदनी भी बढ़ेगी।

jk,-h; f'k/kk uhfr 2020

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सेवा और सुशासन के मंत्र के आधार पर परिवर्तन और प्रगति के लिए अथक प्रयास कर रही है। इस विशेष श्रृंखला – 'सेवा पर्व में आज हम आपको बता रहे हैं कि कैसे मोदी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के माध्यम से भारत के लिए एक आधुनिक, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत के स्कूलों को ऐसे स्थानों में बदलने का एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है जहां शिक्षा अब केवल पाठ्यपुस्तकों, अंकों या रटने तक सीमित नहीं रह गई। इस नीति ने भारत में एक अधिक समावेशी, शिक्षार्थी–केंद्रित और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली की नींव रखी है।

uojk'

शारदीय नवरात्र के आठवें दिन आज माँ दुर्गा के अष्टम स्वरूप महागौरी की पूजा–अर्चना की जा रही राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी शक्तिपीठों में आज सुबह से ही माता के दर्शनों के लिए भक्तों का तांता लगा हुआ है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दुर्गा पूजा के अवसर पर देश और विदेश में रहने वाले नागरिकों को शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में, राष्ट्रपति ने कहा कि यह पर्व देश की संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पर्व समानता, सहिष्णुता और प्रेम की भावना को बढ़ावा देता है।

————————————————————